ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–75
दिनांक– षुक्रवार, 03 अक्टूबर, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 35.2 एवं 24.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 92.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 81.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.5 एवं दोपहर में 35.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। **इस अवधि में 129.1 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।**

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(04–08 अक्टूबर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 04–08 अक्टूबर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में अगले **24 से 48 घंटो (4–5 अक्टूबर)** में उत्तर बिहार के जिलों में **अनेक स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की सम्भावना है।** इस दौरान वैशाली, दरभंगा, एव मधुबनी जिलों में अति भारी वर्षा हो सकती है। समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण, शिवहर, एवं सारण जिलों में भारी वर्षा हो सकती है। बाकि जिलों में मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। वर्षा के दौरान हवा तेज हो सकती है तथा वज्रपात होने की सम्भावना बनी रहेगी।
- इस अवधी में अधिकतम तापमान 30–32 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 24–26 डिग्री सेल्सियस बने रहने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90–95 प्रतिशत के आसपास तथा दोपहर में 50–60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 8 से 10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूर्वा हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछले 3–4 दिनों में उत्तर बिहार के तराई एवं मैदानी जिलों के अनेक स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा हुई है तथा पूर्वानुमानित अवधी में भी भारी से अति भारी वर्षा हो सकती है। जिसके कारण खेतों में जल जमाव की स्थिति बन सकती है। किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि खड़ी फसलों एवं सब्जियों के खेतो से जल के निकासी की व्यवस्था करें। कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सकें।
- सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी,पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काषी कुवाँरी एवं अर्ली स्नोवॉल आदि किस्मों की रोपाई फिलहाल स्थगित रखे। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलो ग्राम बोरेक्स तथा 1 किलोग्राम सोडियम मालिब्डेट या अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। अगात रोपी गयी फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु स्पेनोसेड दवा एक मी0ली0 प्रति 4 लीटर पानी में दो तीन दिन के बाद आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- अगात मूली की बुआई दो तीन दिन के बाद करें। इसके लिए पूसा चेतकी, पूसा देषी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रष्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निषान्त आदि प्रभेद अनुशंसित है। बीजदर 4 से 5 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा 25 × 10 से0मी0 की दूरी पर बुआई करें।

आज का अधिकतम तापमानः 30.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 23.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी